



सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की

खण्ड-10] रुड़की, शनिवार, दिनांक 31 अक्टूबर, 2009 ई० (कार्तिक 09, 1931 शक सम्वत्) [संख्या-44

विषय-सूची

प्रत्येक भाग के पृष्ठ अलग-अलग दिये गए हैं, जिससे उनके अलग-अलग खण्ड बन सकें

विषय	पृष्ठ संख्या	वार्षिक चन्द्रा रु०
सम्पूर्ण गजट का मूल्य	...	3075
भाग 1-विज्ञप्ति-अवकाश, नियुक्ति, स्थान नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस	423-434	1500
भाग 1-क-नियम, कार्य-विधियाँ, आज्ञाएँ, विज्ञप्तियाँ इत्यादि जिनको उत्तराखण्ड के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया	319-324	1500
भाग 2-आज्ञाएँ, विज्ञप्तियाँ, नियम और नियम विधान, जिनको केन्द्रीय सरकार और अन्य राज्यों की सरकारों ने जारी किया, हाई कोर्ट की विज्ञप्तियाँ, भारत सरकार के गजट और दूसरे राज्यों के गजटों के उद्धरण	—	975
भाग 3-स्वायत्त शासन विभाग का क्रोड-पत्र, नगर प्रशासन, नोटीफाइड एरिया, टाउन एरिया एवं निर्वाचन (स्थानीय निकाय) तथा पंचायतीराज आदि के निदेश जिन्हें विभिन्न आयुक्तों अथवा जिलाधिकारियों ने जारी किया	—	975
भाग 4-निदेशक, शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड	—	975
भाग 5-एकाउन्टेन्ट जनरल, उत्तराखण्ड	—	975
भाग 6-बिल, जो भारतीय संसद में प्रस्तुत किए गए या प्रस्तुत किए जाने से पहले प्रकाशित किए गए तथा सिलेक्ट कमेटीयों की रिपोर्ट	—	975
भाग 7-इलेक्शन कमीशन ऑफ इण्डिया की अनुविहित तथा अन्य निर्वाचन सम्बन्धी विज्ञप्तियाँ	—	975
भाग 8-सूचना एवं अन्य वैयक्तिक विज्ञापन आदि	—	975
स्टोर्स पर्वेज-स्टोर्स पर्वेज विभाग का क्रोड-पत्र आदि	—	1425

भाग 1

विज्ञप्ति-अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस

उच्च शिक्षा विभाग

अधिसूचना

23 सितम्बर, 2009 ई०

संख्या 123(1)/XXIV(6)/09-उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी में कतिपय वित्तीय अनियमिततायें शासन के संज्ञान में आने पर राज्य सरकार द्वारा करायी गयी विशेष सम्परीक्षा के आधार पर उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय अधिनियम, 2005 की धारा-11(I) के परन्तुक में प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए प्रो० एस०एस० हसन तत्कालीन कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी को शासन की अधिसूचना संख्या 252/XXIV(6)/2008 दिनांक 15 जुलाई, 2008 द्वारा तत्काल प्रभाव से निलम्बित किया गया था।

2. शासन के कार्यालय ज्ञाप संख्या: 408/XXIV(6)/2008, दिनांक 20 नवम्बर, 2008 जिसके द्वारा प्रो० हसन का निर्धारित तीन वर्ष का कार्यकाल दिनांक 21 नवम्बर, 2008 को समाप्त हो जाने तथा कुलपति, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली को सम्बोधित तथा प्रो० हसन को पृष्ठांकित शासन के पत्र संख्या: 408/XXIV(6)/2008, दिनांक 25 नवम्बर, 2008 द्वारा उन्हें कार्यकाल समाप्ति की तिथि से स्वतः कार्यमुक्त समझे जाने के आदेश पारित किये गये।

3. राज्य सरकार द्वारा नियुक्त जाँच अधिकारी ने अपनी जाँच आख्या शासन को दिनांक 20 नवम्बर, 2008 को उपलब्ध करायी। जाँच अधिकारी द्वारा उपलब्ध करायी गयी जाँच आख्या का संज्ञान लेते हुए सम्यक् विचारोपरान्त महामहिम श्री राज्यपाल प्रो० एस०एस० हसन के विरुद्ध प्रचलित जाँच को तत्काल प्रभाव से समाप्त करते हैं।

आज्ञा से,

केशव देसिराजु,
प्रमुख सचिव।

चिकित्सा अनुभाग-1

अधिसूचना

30 सितम्बर, 2009 ई०

संख्या 773/XXVIII(1)-2009-18/2004-अधिसूचना संख्या 1001/XXVIII(1)/2007-18/2004, दिनांक 17 सितम्बर, 2008 के अनुक्रम में ड्रग्स एवं कॉसमेटिक्स रूल्स, 1945 के नियम-154(2) के उपबन्धों के अधीन यूनानी औषधियों के लिए विनिर्माण अनुज्ञप्ति (लाइसेन्स) जारी किये जाने हेतु गठित विशेषज्ञ पैनल में डा० मोहम्मद असलम जैदी, यूनानी चिकित्साधिकारी, बाजपुर, जनपद ऊधमसिंह नगर को यूनानी चिकित्सक के रूप में सदस्य नामित किया गया था।

2. डा० जैदी को अधिसूचना जारी किये जाने की तिथि से 01 वर्ष के लिए कार्यकाल बढ़ाये जाने की अनुमति प्रदान की जाती है।

आज्ञा से,

केशव देसिराजु,
प्रमुख सचिव।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

अधिसूचना

05 अक्टूबर, 2009 ई०

संख्या 2390/VII-2-09/24-ख/2007-राज्यपाल, खान और खनिज (विनियमन और विकास) अधिनियम, 1957 (अधिनियम संख्या 67, सन् 1957) की धारा 15 के अधीन शक्ति का प्रयोग करके, उत्तराखण्ड [उ०प्र० उप खनिज (परिहार) नियमावली, 1963] अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2001 में संशोधन करने की दृष्टि से निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं :-

उत्तराखण्ड उप खनिज (परिहार) (संशोधन) नियमावली, 2009

1-(1) इस नियमावली का संक्षिप्त नाम उत्तराखण्ड उप खनिज (परिहार) नियमावली, 2009 है। संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ
(2) यह 05 अक्टूबर, 2009 से प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

2-उत्तराखण्ड [उत्तर प्रदेश उप खनिज (परिहार) नियमावली, 1963] अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2001 में, जिसे आगे उक्त नियमावली कहा गया है, नीचे स्तम्भ-1 में दी गई विद्यमान प्रथम अनुसूची के स्थान पर स्तम्भ-2 में दी गयी अनुसूची रख दी जायेगी। नियम 21 की प्रथम अनुसूची का संशोधन

अर्थात् :-

स्तम्भ-1 विद्यमान अनुसूची प्रथम अनुसूची (नियम 21 देखिये)		स्तम्भ-2 एतद्वारा प्रतिस्थापित अनुसूची प्रथम अनुसूची (नियम 21)	
उप खनिज का नाम	वर्तमान में रॉयल्टी की दरें प्रति घनमीटर	उप खनिज का नाम	स्वामित्व (रॉयल्टी) की दरें (रु० में)
1	2	3	4
1. चूना पत्थर	42.00 75.00	1. चूना पत्थर	55.00 प्रति टन 108.00 प्रति घनमीटर
2. मार्बल या मार्बल चिप्स (संगमरमर)	60.00 108.00	2. मार्बल या मार्बल चिप्स (संगमरमर)	75.00 प्रति टन 135.00 प्रति घनमीटर
3. ईंट बनाने की मिट्टी	14.40 प्रति हजार बनी ईंट	3. ईंट बनाने की मिट्टी	18.00 प्रति हजार बनी ईंट
4. शोरा (साल्ट पीटर)	0.60 प्रति कि०ग्रा० या 60.00 प्रति कुन्टल	4. शोरा (साल्ट पीटर)	0.60 प्रति किलोग्राम या 60.00 प्रति कुन्टल
5. इमारती पत्थर (बिल्डिंग स्टोन) 1. स्लैब्स अशलर सहित साईज्ड डायमेशनल स्टोन (सैण्डस्टोन, क्वार्ट्जाइट साईज्ड) 2. मिल स्टोन व हथचक्की (सैण्डस्टोन क्वार्टर साईज्ड)	144.00 162.00	5. इमारती पत्थर (बिल्डिंग स्टोन) 1. सभी प्रकार के उप खनिजों से निर्मित (ग्रेनाइट को छोड़कर) स्लैब्स अशलर सहित साईज्ड डायमेशनल स्टोन (जिसकी कोई भी एक साइड 25 सेमी० से अधिक हो) 2. मिल स्टोन व हथचक्की (सैण्डस्टोन क्वार्टर साईज्ड)	100.00 प्रति टन 180.00 प्रति घनमीटर 200.00 प्रति घनमीटर
3. खण्डास और बोल्डर्स (क) ग्रेनाइट एवं डोलोस्टोन (25 X 25 X 25 सेमी० साईज तक)	30.00	6. नदी तल से गिन्न स्थानों से प्राप्त खण्डास/बोल्डर्स (जिसकी कोई भी साइड 25 सेंटीमीटर	22.00 प्रति टन 40.00 प्रति घनमीटर

1	2	3	4
(ख) सैण्डस्टोन क्वार्टर (25 X 25 X 25 सेमी० साईज तक)	24.00	से अधिक न हो), बजरी/गिट्टी बैलास्ट सिंगल/पहाड़ों के क्षरण से उत्पन्न मोरम/बालू/गिट्टी	
4. गिट्टी बैलास्ट			
(क) ग्रेनाइट एवं डोलोस्टोन	35.00	-	-
(ख) सैण्डस्टोन	27.00	-	-
5. मोरम			
1. नदी तल में उपलब्ध	20.40	-	-
2. पहाड़ों के क्षरण के फलस्वरूप उत्पन्न लाल मोरम	14.40	-	-
6. ग्रेनाइट (साईज्ड) डायमेशनल स्टोन		7. ग्रेनाइट (साईज्ड) डायमेशनल स्टोन	
(क) 1 मीटर या उससे बड़ा	720.00	(क) 1 मीटर या उससे बड़ा	720.00
(ख) 1 मीटर या उससे छोटा	480.00	(ख) 1 मीटर से छोटा	480.00
7. विहित प्रयोजनों के लिए प्रयुक्त होने वाले बालू से भिन्न साधारण बालू		8. विहित प्रयोजनों के लिए प्रयुक्त होने वाली बालू से भिन्न नदी तल में उपलब्ध साधारण बालू या मोरम या बजरी या बोल्टर या इसमें से कोई भी मिली-जुली अवस्था में हो	
1. प्रथम श्रेणी (अनुसूची-2 में उल्लिखित जनपदों में उपलब्ध बालू)	18.00		25.00 प्रति टन 45.00 प्रति घन मीटर
2. द्वितीय श्रेणी (अनुसूची-2 में उल्लिखित जनपदों में उपलब्ध बालू)	12.00		
8. कंकड़	9.60	9. कंकड़	5.5 प्रति टन 10.00 प्रति घनमीटर
9. बजरी (सिंगल)	30.00	-	-
10. साधारण गिट्टी	4.80	10. साधारण गिट्टी	5.56 प्रति टन 8.00 प्रति घनमीटर
11. कोई अन्य उप खनिज जिसके लिए स्वामित्व की दर निर्धारित नहीं है	खान पर बिक्री मूल्य का 12 %	11. कोई अन्य उप खनिज जिसकी लिए स्वामित्व की दर निर्धारित नहीं है	खान पर बिक्री मूल्य का 20 %

3-उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ-1 में दी गयी द्वितीय अनुसूची के स्थान पर स्तम्भ-2 में दी गई द्वितीय अनुसूची का संशोधन अनुसूची रख दी जायेगी, अर्थात् :-

स्तम्भ-1 विद्यमान अनुसूची द्वितीय अनुसूची (नियम 22)			स्तम्भ-2 एतद्वारा प्रतिस्थापित अनुसूची द्वितीय अनुसूची (नियम 22)	
उप खनिज के नाम	जिले/नदी का नाम	प्रति एकड़ वार्षिक अपरिहार्य भाटक (रु० में)	उप खनिज के नाम	प्रति एकड़ वार्षिक अपरिहार्य भाटक (रु० में)
1. मार्बल और मार्बल चिप्स	उत्तराखण्ड के सभी जिलों के लिए	3000.00	1. मार्बल और मार्बल चिप्स	4000.00
2. चूना पत्थर लाईम स्टोन	उत्तराखण्ड के सभी जिलों के लिए	3000.00	2. चूना पत्थर लाईम स्टोन	4000.00
3. इमारती पत्थर, सैण्ड स्टोन और क्वार्टजाइट	उत्तराखण्ड के सभी जिलों के लिए	6000.00	3. नदी तल से भिन्न स्थान से प्राप्त इमारती पत्थर (बिल्डिंग स्टोन) खण्डास/बोल्डर्स/बजरी/गिट्टी/बैलास्ट/सिंगल/पहाड़ों के क्षरण से उत्पन्न मौरम/बालू/मिट्टी	8000.00
4. ऐसे इमारती पत्थर गिट्टी (बैलास्ट) बजरी और साधारण बालू जो मिली-जुली अवस्था में नदी के तल पर मिलते हैं	उत्तराखण्ड के सभी जिलों के लिए	बोल्डर 6000.00, बजरी 6000.00 साधारण बालू 3000.00 प्रत्येक खनिज पर अलग दर लागेगी	4. नदी तल में उपलब्ध साधारण बालू या मौरम या बजरी या बोल्डर या इनमें से कोई भी मिली जुली अवस्था में हो	20,000.00
5. मौरम (क) नदी तल में (ख) पहाड़ों के क्षरण के फलस्वरूप जमा तल मौरम	उत्तराखण्ड के सभी जिलों के लिए	6000.00 3000.00	-	-
6. साधारण मृदा (ऑर्डिनरी क्ले) अथवा साधारण मिट्टी (ऑर्डिनरी अर्थ)	उत्तराखण्ड के सभी जिलों के लिए	1000.00	5. साधारण मृदा (ऑर्डिनरी क्ले) अथवा साधारण मिट्टी (ऑर्डिनरी अर्थ)	1500.00

आज्ञा से,

पी०सी० शर्मा
प्रमुख सचिव।

In pursuance of the provisions of Clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the notification no. 2390/VII-1-09/24-Kha/2007, dated October 05, 2009 for general information :

NOTIFICATION

October 05, 2009

No. 2390/VII-1-09/24-Kha/2007—In exercise of the powers under Section 15 of the Mines and Minerals (Regulation and Development) Act, 1957 (Act No. 67 of 1957), the Governor is pleased to make the following rules with a view to amending the Uttarakhand [Uttar Pradesh Minor Minerals (Concession) Rules, 1963] Modification and Adaptation Order, 2001:—

UTTARAKHAND MINOR MINERALS (CONCESSION) (AMENDMENT) RULES, 2009

Short title and
Commencement

1. (1) These rules may be called the Uttarakhand Minor Minerals (Concession) (Amendment) Rules, 2009

(2) They shall be deemed to have come in to force from 05 October, 2009.

Amendment of
First Schedule of
Rule 21

2. In the Uttarakhand [Uttar Pradesh Minor Minerals (Concession) Rules, 1963] Modification and Adaptation Order, 2001, hereinafter referred to as the said rules, for the existing First Schedule set out in Column-I below, the Schedule as set out in Column-II, shall be substituted, namely :—

Column-I Existing Schedule First Schedule (See rule 21)		Column-II Schedule as hereby Substituted First Schedule (See rule 21)	
Minerals	Rate of Royalty (Rs.)	Minerals	Rate of Royalty (Rs.)
1	2	3	4
1. Limestone	42.00 per tone 75.00 per cubic meter	1. Limestone	55.00 per tone 108.00 per cubic meter
2. Marble or Marble Chips (Sangmermer)	60.00 108.00	2. Marble or Marble Chips (Sangmermer)	75.00 Per ton 135.00 per cubic meter
3. Brick Earth	14.40 per thousand bricks produced	3. Brick Earth	18.00 per thousand bricks produced
4. Salt Peter	0.60 per kg. or 60.00 per quintal	4. Salt Peter	0.60 per kg. or 60.00 per quintal
5. Building Stone 1. Slabs and Ashlar sized dimensional Stone (sand stone, quartzite sized)	144.00	5. Building Stone 1. Made of all types of minor minerals (Excluding Grainite) Slabs, Ashlar including dimensional stone (having one side more than 25 cm)	100.00 per ton 180.00 per cubic meter
2. Millstone and Hand Chakkis (Sand stone Quartzite)	162.00	2. Millstone and Hand Chakkis (Sand stone and Quartzite)	200 per cubic meter
3. Khandas and Boulders i. Granite abd Dolostone (25x25x25 cm sized) ii. Sandstone quartzite sized (25x25x25 cm sized)	30.00 24.00	6. Khandas/Boulders (having one side not more than 25 cm.)/ Bajri Single/Gitti Ballast/Morraum/ Sand/Ordinary Clay Available in places other than River Bed.	22.00 per ton 40.00 per cubic meter

1	2	3	4
4. Gitti Ballast (a) Granite & Dolostone (b) Sandstone	36.00 27.00	-- --	-- --
5. Morrum (a) Available in river bed (b) Red morrum deposit due to erosion of hills	20.40 14.40	-- --	-- --
6. Granite (sized) dimensional stone (a) 1 meter or above (b) 1 meter or below	720.00 480.00	7. Granite (sized) dimensional stone (a) 1 meter or bigger (b) 1 meter or smaller	720.00 per cubic meter 480.00 per cubic meter
7. Ordinary sand other than sand used for prescribed purposes (a) First category (Found in districts mentioned in Schedule-II) (b) Second category (Found in districts mentioned in Schedule-II)	18.00 12.00	8. Ordinary sand other than sand used for prescribed purposes available in River Bed Ordinary Sand or Morrum or Bajri or Boulder or any of the above found in mixed form	25.00 per ton 45.00 per cubic meter
8. Kankar	9.60	9. Kankar	5.5 per ton 10.00 per cubic meter
9. Bajri (Single)	30.00	--	--
10. Ordinary clay	4.80	10. Ordinary clay	5.56 per ton 8.00 per cubic meter
11. Any other minor mineral for which the rate of royalty not specified	12% of pit's mouth value	11. Any other minor mineral for which the rate of royalty is not specified	20% of sale value at pit's mouth

3. In the said rules, for the Second Schedule set out in Column-I below, the Schedule as set out in Column-II shall be substituted, namely:--

Amendment of rule 22 of the Second Schedule

Column-I Existing Schedule Second Schedule (See rule-22)			Column-II Schedule as hereby Substituted Second Schedule(rule-22)	
Name of Minor Mineral	Name of Districts/ River	Rate of dead rent per acre Per annum (Rs.)	Name of Minor Mineral	Rate of dead rent per acre per annum (Rs.)
1	2	3	4	5
1. Marble and Marble chips	All Districts of Uttarakhand	3000.00	1. Marble and Marble chips	4000.00

1	2	3	4	5
2. Lime stone	All Districts of Uttarakhand	3000.00	2. Lime stone	4000.00
3. Building stone, sand stone and quartzite	All District of Uttarakhand	6000.00	3. Building stone, Khandas/ Boulders/Bajri/Gitti/ Ballast/Single/Morrum deposit due of erosion of hills/ Sand/Clay	8000.00
4. Such Building Stone (ballast) Bajri and Ordinary sand as are found in mixed form in the river bed	All Districts of Uttarakhand	Boulder 6000.00 Bajri 6000.00 Ordinary Sand 3000.00 the separate rate will be charged on each minerals.	4. Ordinary Sand/Morraum/ Bajri/Boulder of any of the above found in mixed form in the river Bed	20,000.00
5. Morrum (1) River bed (2) Morrum deposited due to erosion of hills	All Districts of Uttarakhand	6000.00 3000.00	-- --	-- --
6. Ordinary sand (Ordinary clay) or Ordinary earth	All Districts of Uttarakhand	1000.00	5. Ordinary clay or Ordinary earth	1500.00

By Order,

P. C. SHARMA,
Principal Secretary.

श्रम प्रशिक्षण एवं सेवायोजन विभाग

अधिसूचना

6 अक्टूबर, 2009 ई०

संख्या 136/VIII/31-क०रा०बी०यो०/2007-चूँकि, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि उत्तराखण्ड पूर्व सैनिक कल्याण निगम लि०, देहरादून के कर्मचारियों को कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (अधिनियम संख्या 34, वर्ष 1948) के अधीन उपबन्धित लाभों से उच्चतर लाभ प्राप्त हैं;

2. अतएव, अब, उक्त अधिनियम की धारा 90 द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करके राज्यपाल कर्मचारी राज्य बीमा निगम से परामर्श करने के पश्चात् उत्तराखण्ड पूर्व सैनिक कल्याण निगम लि०, देहरादून को अधिसूचना संख्या 73/VIII/31-क०रा०बी०यो०/07, देहरादून, दिनांक 17 अप्रैल, 2008 के क्रम में इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तिथि से एक वर्ष तक के लिए उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से छूट प्रदान करते हैं।

आज्ञा से,

डा० दिलबाग सिंह,
सचिव।

कृषि एवं विपणन अनुभाग-1

कार्यालय आदेश

09 अक्टूबर, 2009 ई०

संख्या 758/XIII(1)2009-3(1) 2001-उत्तराखण्ड शासन के विज्ञप्ति/प्रोन्नति आदेश संख्या 623/XIII-1-2009-3(1)/2001, दिनांक 18 अगस्त, 2009 द्वारा उत्तराखण्ड कृषि सेवा श्रेणी-1 के अन्तर्गत उप निदेशक/मुख्य कृषि अधिकारी, वेतनमान रुपये 15,600-39,100 तथा ग्रेड पे रुपये 6600/- में कार्यरत अधिकारियों को नियमित वयनोपशान्त कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से संयुक्त निदेशक के पद पर वेतनमान रुपये 15,600-39,100 तथा ग्रेड पे रुपये 7600/- प्रोन्नत के फलस्वरूप संयुक्त कृषि निदेशक एवं उप कृषि निदेशक/मुख्य कृषि अधिकारियों की तैनाती निम्नानुसार किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

क्र०सं०	अधिकारी का नाम एवं वर्तमान तैनाती	तैनाती का स्थान	अभ्युक्ति
1.	सर्व श्री पवन कुमार, संयुक्त कृषि निदेशक, कुमाऊँ मण्डल, हल्द्वानी	संयुक्त कृषि निदेशक, कुमाऊँ मण्डल, हल्द्वानी	-
2.	डा० परमा राम, संयुक्त कृषि निदेशक, कृषि निदेशालय, देहरादून	संयुक्त कृषि निदेशक, (जैविक) कृषि निदेशालय, देहरादून	-
3.	श्री किशोरी लाल, संयुक्त कृषि निदेशक, कृषि निदेशालय, देहरादून	प्रभारी अपर कृषि निदेशक, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी	जनहित में
4.	डा० गोपाल सिंह रावत, उप कृषि निदेशक/ प्रभारी अपर कृषि निदेशक, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी	उप कृषि निदेशक, (विपणन) कृषि निदेशालय, देहरादून	जनहित में
5.	श्री सुशील कुमार उत्तम, मुख्य कृषि अधिकारी, चमोली	मुख्य कृषि अधिकारी, नरेंद्रनगर, टिहरी	निजी अनुरोध पर

2-यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होंगे।

आज्ञा से,
डा० रणबीर सिंह,
सचिव।

नियोजन अनुभाग-1

विज्ञप्ति/पदोन्नति

15 सितम्बर, 2009 ई०

संख्या 158/XXVI/एक(12)/2008-राज्य योजना आयोग में कार्यरत निम्नलिखित शोध अधिकारियों को विभागीय चयन समिति की संस्तुति के आधार पर उनके नियमित चयनोपरान्त वरिष्ठ शोध अधिकारी के पद पर वेतनमान रु० 15,600-39,100, ग्रेड पे -6,600 पर अस्थायी रूप से पदोन्नति प्रदान करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

वरिष्ठ शोध अधिकारी :

1. श्री ए० एस० धौनी
2. श्री दिनेश चन्द्र वर्मा
3. श्री राज कुमार
4. श्री दीवानी राम
5. श्री विद्युत भट्टाचार्य
6. श्री कृपाल राम

वरिष्ठ शोध अधिकारी (अभियांत्रिक) :

1. श्री देवेश कुमार शर्मा
2. उक्त अधिकारियों को निर्देशित किया जाता है कि वे तत्काल अपने नवीन पद पर कार्यभार ग्रहण करना सुनिश्चित करें।

3. उक्त अधिकारियों को वरिष्ठ शोध अधिकारी के पद पर नियमानुसार 2 वर्ष की परीक्षा पर रखा जाता है।

आज्ञा से,

राधा रतूड़ी
सचिव।

नियोजन विभाग

कार्यालय ज्ञाप

15 सितम्बर, 2009 ई०

संख्या 159/XXVI/एक(12)/2008 श्री चन्दन लाल, जो वर्तमान में संयुक्त निदेशक, राज्य नियोजन आयोग के पद पर कार्य कर रहे हैं, के सम्बन्ध में शासन के संज्ञान में यह तथ्य आया कि वे शोध अधिकारी के रूप में नियमित रूप से नियुक्त नहीं हैं, जिस कारण उनकी वरिष्ठ शोध अधिकारी एवं संयुक्त निदेशक के पद पर की गयी पदोन्नति भी नियमित नहीं मानी जा सकती है।

उपरोक्त को दृष्टिगत रखते हुए श्री चन्दन लाल के सम्बन्ध में दिनांक 07-09-2009 को आहूत विभागीय चयन समिति की बैठक की संस्तुति के आधार पर उन्हें नियमित चयनोपरान्त उनसे आसन्न कनिष्ठ अधिकारी श्री राज कुमार, की शोध अधिकारी के पद पर पदोन्नति की तिथि 09-07-2003 से प्राकल्पिक रूप से शोध अधिकारी के पद पर वेतनमान रु० 15,600-39,100, ग्रेड पे -6,400 पर अस्थायी रूप से पदोन्नत करते हुए उन्हें दिनांक 03-09-2009 (उनसे आसन्न कनिष्ठ की स्थायीकरण की तिथि) से शोध अधिकारी के पद पर स्थायी किये जाने की भी सहर्ष स्वीकृति प्रदान की जाती है।

चूँकि, श्री लाल से कनिष्ठ अधिकारियों को वरिष्ठ शोध अधिकारी के पद पर दिनांक 15-09-2009 से नियमित चयनोपरान्त अस्थायी रूप से पदोन्नति प्रदान की जा चुकी है। अतः श्री चन्दन लाल को भी उक्त तिथि से ही वरिष्ठ शोध अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से पदोन्नति प्रदान करते हुए उन्हें वरिष्ठ शोध अधिकारी के पद पर नियमानुसार 02 वर्ष की परीक्षा पर रखा जाता है।

श्री लाल को निर्देशित किया जाता है कि वे तत्काल उपरोक्त पद पर कार्यभार ग्रहण किया जाना सुनिश्चित करें।

श्री लाल के सम्बन्ध में पूर्व में निर्गत आदेश संख्या 433/नि०वि०/2001-02, दिनांक 11-04-2002 को तदनुसार संशोधित किया जाता है।

राधा रतूड़ी,
सचिव।

नियोजन अनुभाग -2**विज्ञप्ति/पदोन्नति**

22 सितम्बर, 2009 ई०

संख्या 204/XXVI/दो(19)/2003 अर्थ एवं सख्या विभाग में कार्यरत निम्नलिखित अर्थ एवं सख्याधिकारियों को विभागीय चयन समिति की संस्तुति के आधार पर उनके नियमित चयनोपरान्त उप निदेशक के पद पर वेतनमान रु० 15,600-39,100, ग्रेड पे 6,600 पर अस्थायी रूप से पदोन्नति प्रदान करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

1. श्री राजेन्द्र प्रसाद जोशी
2. श्री गगनती प्रसाद तिवारी
3. श्री गजेन्द्र सिंह चौहान
4. श्री खीम सिंह कफलिया
5. श्री सुन्दर लाल
6. श्री शिशुपाल लाल

2. उक्त अधिकारियों को निर्देशित किया जाता है कि वे तत्काल अपने नवीन पद पर कार्यभार ग्रहण किया जाना सुनिश्चित करें।

3. उक्त अधिकारियों की तैनाती के सम्बन्ध में आदेश पृथक से निर्गत किये जाएंगे।

4. उक्त अधिकारियों को उप निदेशक के पद पर नियमानुसार 2 वर्ष की परीक्षा पर रखा जाता है।

विज्ञप्ति/पदोन्नति

22 सितम्बर, 2009 ई०

संख्या 206/XXVI/दो(19)/2003-अर्थ एवं सख्या विभाग, उत्तराखण्ड में उप निदेशक के पद पर कार्यरत श्री हरिहर लोहमी को विभागीय चयन समिति की संस्तुति के आधार पर उनके नियमित चयनोपरान्त संयुक्त निदेशक के पद पर वेतनमान रु० 15,600-39,100, ग्रेड पे-7,600 पर अस्थायी रूप से पदोन्नति प्रदान करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. श्री लोहमी को निर्देशित किया जात है कि वे तत्काल अपने नवीन पद पर कार्यभार ग्रहण किया जाना सुनिश्चित करें।

3. इनकी तैनाती के सम्बन्ध में आदेश पृथक से निर्गत किये जाएंगे।

4. श्री लोहमी को संयुक्त निदेशक के पद पर नियमानुसार 2 वर्ष की परीक्षा पर रखा जाता है।

आज्ञा से,

राधा रतूड़ी,

राचिव।

वित्त अनुभाग-8**विज्ञप्ति/नियुक्ति**

14 सितम्बर, 2009 ई०

संख्या 615/2009/08(S)(100)/XXVII(8)/09 उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग, हरिद्वार के द्वारा आयोजित "उत्तराखण्ड राज्य सम्मिलित सेवा परीक्षा, 2004" के आधार पर वाणिज्य कर विभाग, उत्तराखण्ड के अन्तर्गत सहायक कमिश्नर, वेतनमान, रुपये 15,600-39,100 + ग्रेड वेतन 5,400 (पूर्व वेतनमान, रु० 8,000-13,500) में नियुक्ति हेतु संस्तुत श्री विजय कुमार पुत्र श्री कृष्णलाल को श्री राज्यपाल सहायक कमिश्नर के पद पर कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से अस्थाई रूप से नियुक्त करते हुए निम्नांकित शर्तों के अधीन दो वर्ष की परीक्षा पर रखते हैं -

- (1) प्रश्नगत पद की सेवायें "उत्तराखण्ड (उत्तर प्रदेश बिक्री कर सेवा नियमावली, 1983) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2007" तथा शासन के द्वारा समय-समय पर निर्धारित की जाने वाली सेवा शर्तों से विनियमित होगी।
- (2) सहायक कमिश्नर पद पर नियुक्त किये जा रहे अभ्यर्थी के द्वारा दिनांक 30-09-2009 तक आयुक्त, कर, उत्तराखण्ड, देहरादून के कार्यालय में योगदान प्रस्तुत किया जायेगा।
- (3) व्यवसायिक प्रशिक्षण/विभाग में तैनाती आदि के सदर्भ में शासन के द्वारा पृथक से आदेश निर्गत किये जायेगे।
- (4) आयुक्त, कर, उत्तराखण्ड, देहरादून के कार्यालय में योगदान करने पर कोई यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता अनुमन्य नहीं होगा।
- (5) आयुक्त, कर, उत्तराखण्ड, देहरादून के कार्यालय में योगदान करते समय अभ्यर्थी को निम्नानुसार सूचनाएं/प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने अनिवार्य होंगे :-

- 1- समस्त चल/अचल सम्पत्ति से सम्बन्धित घोषणा-पत्र।
- 2- एक से अधिक जीवित पति/पत्नी न होने का घोषणा-पत्र।
- 3 अभ्यर्थी के द्वारा केन्द्र/राज्य सरकार के अधीन अब तक की गयी सेवा के सम्बन्ध में प्रमाण-पत्र।
- 4- शैक्षिक योग्यता, आयु, स्थाई निवास एवं जाति से सम्बन्धित प्रमाण-पत्रों की एक-एक प्रमाणित प्रतियां तथा उनके सत्यापन हेतु समस्त मूल प्रमाण-पत्र।
- 5- दो राजपत्रित अधिकारियों, जो उनके सम्बन्धी न हों, के द्वारा दिये गये चरित्र प्रमाण-पत्र।
- 6- इस आशय का "बन्ध-पत्र (Undertaking)" कि भविष्य में चरित्र एवं प्राप्ति सत्यापन तथा आरक्षित वर्ग से सम्बन्धित होने की स्थिति में मूल/स्थायी निवास प्रमाण-पत्र एवं जाति प्रमाण-पत्र के सम्बन्ध में कोई प्रतिकूल तथ्य पाये जाने पर सदस्यगत पद पर की गयी नियुक्ति निरस्त समझी जायेगी।

2 सहायक कमिश्नर पद पर नियुक्ति हेतु इच्छुक होने की स्थिति में श्री विजय कुमार के द्वारा प्रत्येक दशा में दिनांक 30-09-2009 तक आयुक्त, कर, उत्तराखण्ड, देहरादून के कार्यालय में अपेक्षित औपचारिकताएं/प्रमाण-पत्रों के साथ योगदान प्रस्तुत किया जायेगा। इस तिथि तक उपस्थित न होने की स्थिति में यह समझा जायेगा कि वे सदस्यगत पद पर कार्यभार ग्रहण करने के इच्छुक नहीं हैं और ऐसी स्थिति में उनके अभ्यर्थन को निरस्त करने के सदर्भ में अग्रेतर कार्यवाही सुनिश्चित कर ली जायेगी।

3. यह विज्ञापित रिट याचिका संख्या 292/(एस/बी) ऑफ 2008 प्रताप सिंह बनाम उत्तराखण्ड राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 309/(एस/बी) ऑफ 2008 दिगविजय सिंह बनाम उत्तराखण्ड राज्य व अन्य तथा रिट याचिका संख्या 07/(एस/बी) ऑफ 2009 नीलम राणा बनाम उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग व अन्य में मा० उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय, नैनीताल द्वारा पारित अंतिम आदेश के अधीन होगी।

आज्ञा से,

एल०एम० पन्त,
सचिव।



सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की, शनिवार, दिनांक 31 अक्टूबर, 2009 ई0 (कार्तिक 09, 1931 शक सम्वत्)

भाग 1-क

नियम, कार्य-विधिया, आज्ञाए, विज्ञप्तियां इत्यादि जिनको उत्तराखण्ड के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया

कार्यालय, गन्ना एवं चीनी आयुक्त, उत्तराखण्ड,
काशीपुर (ऊधमसिंह नगर)

विज्ञप्ति

07 अक्टूबर, 2009 ई0

सख्या 1771/ख/विज्ञा0-गन्ना (पूर्व एवं खरीद विनियमन) अधिनियम, 1953 की धारा 12(2) के अन्तर्गत उत्तराखण्ड राज्य स्थित चीनी मिलों की आवश्यकता का अनुमान निर्धारित किया जाता है। सामान्यतः चीनी मिलों का औसत ड्राल गन्ना उत्पादन के सापेक्ष लगभग 50 प्रतिशत रहा है।

विगत 5 वर्षों में चीनी मिलों की कुल गन्ना पेराई की मात्रा एवं पेराई का औसत निम्नवत् रहा है :

क्र० स०	नाम चीनी मिल एवं स्थान	अनुमन्य पेराई क्षमता (TCD)	विगत 5 वर्षों में चीनी मिल की गन्ना पेराई (लाख कु० में)					विगत 5 वर्षों की पेराई का औसत (लाख कु०)	अनुमन्य पेराई क्षमता के आधार पर 160 दिन हेतु गन्ने की आवश्यकता का अनुमान (लाख कु०)	गत वर्ष निर्धारित आवश्यकता (लाख कु०)
			2004-05	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09			
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
जनपद देहरादून										
1	डोईवाला शुगर कम्पनी लि०, डोईवाला	2500	25 52	26 53	35 27	30 97	19 14	27.49	40 00	35 00
जनपद हरिद्वार										
2	लक्ष्मी शुगर मिल्स क० लि०, इकबालपुर	4000	38 92	67 54	68.64	54.19	42 18	54.29	64 00	64 00
3	आर०बी०एन०एस० शुगर मिल्स लि०, लक्सर	7000	93 48	87 52	111 79	76.90	48 40	83.62	112 00	112 00
4	उत्तम शुगर मिल्स लि०, लिब्बरहेडी	5000	75 34	77 01	75.47	54 87	25.10	61.56	80 00	77 00

जनपद ऊधमसिंह नगर

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
5	किष्का शुगर कम्पनी लि0, किष्का	4000	34.73	38.02	51.12	43.20	26.36	38.69	64.00	51.00
6	काशीपुर शुगर मिल्स लि0, काशीपुर	4000	41.42	56.84	75.51	38.02	19.34	46.23	64.00	64.00
7	दि बाजपुर कोआपरेटिव शुगर फैक्ट्री लि0, बाजपुर	4000	29.30	32.14	49.73	39.85	18.69	33.94	64.00	50.00
8	दि किसान सहकारी चीनी मिल्स लि0, नादेही	2000	25.43	24.75	32.74	23.06	13.72	23.94	32.00	32.00
9	दि किसान सहकारी चीनी मिल्स लि0, सितारगज	2500	15.71	23.15	32.13	26.66	14.52	22.43	40.00	32.00
10	दि किसान सहकारी चीनी मिल्स लि0, गदरपुर	2500	15.64	18.39	28.36	23.27	14.66	20.06	40.00	30.00

प्रायः यह अनुभव किया गया है कि जिस वर्ष में गन्ना मूल्य का भुगतान चीनी मिलों द्वारा नियमित रूप से गन्ना कृषकों को नहीं किया जाता है, उससे कृषकों में गन्ने की खेती के प्रति रुचि कम हो जाती है तथा आगामी सत्रों में गन्ने की डाईवर्जन भी होता है। पेरार्ड सत्र 2006-07, 2007-08 एवं 2008-09 में चीनी मिलों द्वारा गन्ना मूल्य का भुगतान नियमित रूप से नहीं किया गया, परिणामस्वरूप चीनी मिलों को कृषकों द्वारा आवश्यकता के अनुरूप गन्ने की आपूर्ति नहीं की गई और पेरार्ड सत्र 2008-09 के राष्ट्रीय सत्र 2009-10 में गन्ना क्षेत्रफल में लगभग 13 प्रतिशत कमी हो गई है तथा गत सत्र में कम गन्ना आपूर्ति होने से आगामी सत्र हेतु गन्ने का बेसिक कोटा कम हो गया है तथा गन्ना मूल्य भुगतान की अनिश्चितता के कारण गन्ना कृषकों की अतिरिक्त सट्टा करने में कोई रुचि नहीं है, इसलिए चीनी मिल को आवश्यकता का निर्धारण गन्ने की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए ही करना प्रासंगिक है। अतः उपर्युक्त समस्त परिस्थितियों के दृष्टिगत पेरार्ड सत्र 2008-09 हेतु निर्धारित आवश्यकता से सत्र 2009-10 हेतु आवश्यकता बढ़ाये जाने का कोई औचित्य नहीं है एवं सत्र 2008-09 की निर्धारित अनुसार ही सत्र 2009-10 हेतु आवश्यकता निर्धारित किया जाना व्यवहारिक, तथ्यपरक एवं तर्कसंगत प्रतीत होता है।

अतः सम्यक् विचारोपरान्त गन्ना (पूर्ति एवं खरीद विनियमन) अधिनियम, 1953 की धारा 12(2) के अन्तर्गत निहित अधिकारों का प्रयोग करते हुए, मैं, यू0डी0पी0बी, गन्ना एवं चीनी आयुक्त, उत्तराखण्ड राज्य में अवस्थित चीनी मिलों के पेरार्ड सत्र 2009-10 में गन्ने की आवश्यकता के अनुमान निम्नवत् निर्धारित करते हुए उत्तराखण्ड के सरकारी गजट में प्रकाशित करने की आज्ञा देता हूँ :-

**उत्तराखण्ड राज्य की चीनी मिलों की गन्ने की आवश्यकता
पेरार्ड सत्र 2009-10**

क्र0सं0	नाम चीनी मिल एवं स्थान	निर्धारित गन्ना आवश्यकता (लाख कु0)
1	2	3
जनपद देहरादून		
1.	डोईवाला शुगर कम्पनी लि0, डोईवाला	35.00
जनपद हरिद्वार		
2	लक्ष्मी शुगर मिल्स क0 लि0, इकबालपुर	64.00
3	आर0बी0एन0एस0 शुगर मिल्स लि0, लक्सर	112.00
4.	उत्तम शुगर मिल्स लि0, लिम्बरहेडी	77.00

जनपद ऊधमसिंह नगर

1	2	3
5.	किच्छा शुगर कम्पनी लि०, किच्छा	51.00
6.	काशीपुर शुगर मिल्स लि०, काशीपुर	64.00
7.	दि बाजपुर कोआपरेटिव शुगर फैक्ट्री लि०, बाजपुर	50.00
8.	दि किसान सहकारी चीनी मिल्स लि०, नादेही	32.00
9.	दि किसान सहकारी चीनी मिल्स लि०, सितारगंज	32.00
10.	दि किसान सहकारी चीनी मिल्स लि०, गदरपुर	30.00

उपरोक्त निर्धारित आवश्यकता से अधिक पेराई किये जाने की स्थिति में तदनुसार संज्ञान लिया जायेगा।

यू०डी० चौबे,

गन्ना एवं चीनी आयुक्त,
उत्तराखण्ड।

कार्यालय, संभागीय परिवहन अधिकारी,
गढ़वाल संभाग, पौड़ी
आदेश

11 जून, 2009 ई०

संख्या 856/लाईसेंस/निलम्बन/2009-श्री सरत सिंह पुत्र श्री बीरबल सिंह निवासी ग्राम-रेवा, पो०-चौरीखाल, पट्टी-खातर्खू, जिला-पौड़ी गढ़वाल जिसका चालक लाईसेंस संख्या 4067/पी०/98 जो कि दिनांक 29-06-2011 तक वैध है, का चालान वाहन संख्या यू०ए० 12ए०-2486 मैक्सी कैब में 10 के स्थान पर 12 सवारी परिवहन करने के अपराध में दिनांक 20-05-09 को प्रवर्तन अधिकारी, पौड़ी द्वारा किया गया था। वाहन चालक ने दिनांक 11-6-09 में अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जो कि संतोषजनक नहीं था।

अतः सुनवाई के उपरान्त लाईसेंस अधिकारी के रूप में, मैं, एम०एस० रावत, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, पौड़ी इस प्रकार के कृत्यों पर अंकुश लगाने के लिए मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 22 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए उपरोक्त लाईसेंस संख्या 4067/पी०/98 को दिनांक 11-06-09 से 10-07-09 की अवधि तक के लिए निलम्बित करता हूँ।

आदेश

02 जुलाई, 2009 ई०

संख्या 1153/लाईसेंस/निलम्बन/2009-श्री सतवीर सिंह रावत पुत्र श्री कुंवर सिंह रावत निवासी ग्राम-दुंगर, पो०-कमलपुर, जिला-पौड़ी गढ़वाल जिसका चालक लाईसेंस संख्या 8450/पी०/2000 जो कि दिनांक 06-07-2012 तक वैध है, का चालान वाहन संख्या यू०के० 12 टी०ए०-0110 मैक्सी कैब में 10 के स्थान पर 13 सवारी परिवहन करने के अपराध में दिनांक 22-06-09 को प्रवर्तन अधिकारी, पौड़ी द्वारा किया गया था। वाहन चालक ने दिनांक 30-06-09 में अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जो कि संतोषजनक नहीं था।

अतः सुनवाई के उपरान्त लाईसेंस अधिकारी के रूप में, मैं, एम०एस० रावत, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, पौड़ी इस प्रकार के कृत्यों पर अंकुश लगाने के लिए मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 22 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए उपरोक्त लाईसेंस संख्या 8450/पी०/2000 को दिनांक 02-07-09 से 01-08-09 की अवधि तक के लिए निलम्बित करता हूँ।

14 जुलाई, 2009 ई०

संख्या 1216/लाईसेंस/निलम्बन/2009—श्री कैलाश चन्द्र पुत्र श्री ओम प्रकाश निवासी ग्राम—बैजवाड़ी ब्यूँकालेश्वर मौहल्ला, पट्टी—नादलस्यूँ, जिला—पौड़ी गढ़वाल जिसका चालक लाईसेंस संख्या 7694/पी०/2001 जो कि दिनांक 05-07-2010 तक वैध है, का चालान वाहन संख्या यू०के० 12 टी०ए०-0074 में क्षमता से अधिक सवारी परिवहन करने के अपराध में दिनांक 22-06-09 को प्रवर्तन अधिकारी, पौड़ी द्वारा किया गया था। चालक को कार्यालय के पत्रांक संख्या 1048/प्रशा०/लाई०/09, दिनांक 25-06-2009 द्वारा स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने हेतु पत्र भेजा गया। चालक ने दिनांक 14-07-09 में अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जो कि संतोषजनक नहीं था।

अतः सुनवाई के उपरान्त लाईसेंस अधिकारी के रूप में, मैं, एम०एस० रावत, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, पौड़ी इस प्रकार के कृत्यों पर अकुश लगाने के लिए मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 22 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए उपरोक्त लाईसेंस संख्या 7694/पी०/2001 को दिनांक 14-07-09 से 13-09-09 की अवधि के लिए निलम्बित करता हूँ।

एम०एस० रावत

सहा० संभागीय परिवहन अधिकारी,
पौड़ी।

कार्यालय, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, पिथौरागढ़

कार्यालय आदेश

02 जून, 2009 ई०

संख्या मेमो/प्रवर्तन/सा०प्र०/०८—श्री गोविन्द सिंह बिष्ट पुत्र श्री सुन्दर सिंह बिष्ट, ग्राम देवगाई गुरुड, बागेश्वर को वाहन संख्या यू०ए० 01 5499 चलाते समय सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, पिथौरागढ़ द्वारा दिनांक 06-05-09 को चैक किया गया तो वाहन में 10 के स्थान पर 13 सवारी पाई गई जिसमें 1 सवारी लटकी पायी गई व चालक द्वारा ड्रा० लाईसेंस भी प्रस्तुत नहीं किया गया। चालक द्वारा ओवरलोडिंग किये जाने पर सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, पिथौरागढ़ द्वारा चालक के लाईसेंस संख्या यू०के० 02 टी० 536/बागेश्वर/०९ के विरुद्ध कार्यवाही की रास्तुति की गई है। संस्तुति के पश्चात् वाहन चालक को उपरोक्त के सम्बन्ध में कारण स्पष्ट करने हेतु दिनांक 25-5-09 को नोटिस जारी किया गया जिसका उत्तर देते हुए चालक ने अपनी गलती स्वीकार की। चालक द्वारा प्रथम बार अपराध करने के कारण व भविष्य में कभी भी ओवरलोडिंग कर संचालन न करने के साथ ही एक माह हेतु उपरोक्त ड्रा० लाईसेंस को निलम्बित किया जाता है।

अतः मैं, अनुज्ञप्ति अधिकारी, मोटर वाहन विभाग, पिथौरागढ़, मोटरवाहन अधिनियम, 1988 की धारा 19, उप धारा (1) ए के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए चालक के लाईसेंस संख्या यू०के० 02 टी० 536/बागेश्वर/०९ को दिनांक 02-6-2009 से 1-7-2009 तक की अवधि के लिए वापस लेता हूँ तथा चालक को समस्त श्रेणियों के वाहन संचालन से निरीहित करता हूँ।

19 जून, 2009 ई०

संख्या मेमो/प्रवर्तन/सा०प्र०/०८—श्री होशियार सिंह पुत्र श्री मोहन सिंह, ग्राम व पो० भटेडी, पिथौरागढ़ द्वारा लापरवाही से वाहन संख्या यू०के०-05-टीए-0242 को संचालित करते हुए दिनांक 22-5-2009 को वाहन दुर्घटनाग्रस्त किया गया जिस कारण दो सवारियों की मृत्यु हो गई तथा 4 सवारियाँ घायल हो गयीं। चालक के विरुद्ध थाना कोतवाली, पिथौरागढ़ में उक्त अग्निकोश भी पंजीकृत किया गया है, साथ ही पुलिस अधीक्षक, पिथौरागढ़ द्वारा चालक के लाईसेंस संख्या—एव 3751/के/94 के विरुद्ध कार्यवाही की संस्तुति की गई है। चूँकि मामला माननीय न्यायालय में विवाराधीन है अतः उपरोक्त ड्रा० लाईसेंस को माननीय न्यायालय के निर्णय होने तक निलम्बित किया जाता है।

अतः, मैं, अनुज्ञप्ति अधिकारी, मोटर वाहन विभाग, पिथौरागढ़ : मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 19, उप धारा (1) ए के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए चालक के लाइसेन्स संख्या एच-3751/के/94 को उक्त मामले में माननीय न्यायालय के निर्णय होने तक समस्त श्रेणियों के वाहन संचालन से निरीहित करता हूँ।

ह० अस्पष्ट/-

अनुज्ञप्ति अधिकारी,
मोटर वाहन विभाग, पिथौरागढ़।

कार्यालय, उप सम्भागीय परिवहन अधिकारी, बागेश्वर

आदेश

06 जून, 2009 ई०

पत्रांक/लाइसेंस/निलम्बन/2009—श्री भैरव दत्त पुत्र श्री प्रयाग दत्त, निवासी फुलाडी, जिला अल्मोड़ा, चालक लाइसेंस संख्या बी 2065/के/1980 जो कि दिनांक 18-7-2011 तक वैध है, का चालान वाहन संख्या यू०ए०-04 ए-5699 ट्रक में क्षमता से अधिक माल ढोये जाने के अपराध में दिनांक 5-2-2009 को सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, बागेश्वर द्वारा किया गया है। चालक को कार्यालय के पत्रांक संख्या 11/नोटिस/चालक लाइसेंस/2009, दिनांक 9-2-2009 द्वारा स्पष्टीकरण हेतु पत्र भेजा गया। चालक ने निर्धारित समय तक अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं किया। अतः स्पष्ट है कि चालक भैरव दत्त अपना अपराध स्वीकार करता है। चालक द्वारा प्रथम बार अपराध करने तथा भविष्य में ओवर लोडिंग न करने की चेतावनी के साथ छः माह (180 दिन) के लिए लाइसेंस निलम्बित किया जाता है।

अतः सुनवाई के उपरान्त लाइसेंस अधिकारी के रूप में, मैं, पी०सी० जोशी, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, बागेश्वर, मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 22 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए उपरोक्त लाइसेंस संख्या बी 2065/के/1980 जो दिनांक 18-7-2011 तक वैध है, को दिनांक 25-2-09 से 24-8-2009 की अवधि तक के लिए निलम्बित करता हूँ।

12 जून, 2009 ई०

पत्रांक/लाइसेंस/निलम्बन/2009—श्री राजेन्द्र सिंह पुत्र श्री प्रेम सिंह, निवासी ग्राम रखोली काण्डा, बागेश्वर, जिला बागेश्वर, चालक लाइसेंस संख्या DLNO-UK 02-170/B/9 जो कि दिनांक 16-2-2012 तक वैध है, का चालान वाहन संख्या यू०पी० 28-0307 जीप टैक्सी में क्षमता से अधिक सवारी ढोये जाने के अपराध में दिनांक 08-05-2009 को सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, बागेश्वर द्वारा किया गया है। चालक को कार्यालय के पत्रांक संख्या 10/नोटिस/चालक लाइसेंस/2009, दिनांक 28-5-2009 द्वारा स्पष्टीकरण हेतु पत्र भेजा गया। चालक ने निर्धारित समय तक अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं किया। अतः स्पष्ट है कि चालक राजेन्द्र सिंह अपना अपराध स्वीकार करता है। चालक द्वारा प्रथम बार अपराध करने तथा भविष्य में ओवरलोडिंग न करने की चेतावनी के साथ छः माह (180 दिन) के लिए लाइसेंस निलम्बित किया जाता है।

अतः सुनवाई के उपरान्त लाइसेंस अधिकारी के रूप में, मैं, पी०सी० जोशी, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, बागेश्वर, मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 22 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए उपरोक्त लाइसेंस संख्या DLNO-UK 02-170/B/9 जो कि दिनांक 16-2-2012 तक वैध है, को दिनांक 12-6-2009 से 11-9-2009 की अवधि तक के लिए निलम्बित करता हूँ।

पी०सी० जोशी,

सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी,
बागेश्वर।

कार्यालय, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, कोटद्वार, गढ़वाल
आदेश

16 जून, 2009 ई०

पत्र संख्या 90/सा0प्रशा0/लाईसैंस निरस्तीकरण/09-श्री कुलदीप कुमार पुत्र श्री सिरौमणी, निवासी ग्राम बिसी, पो0 भृगुखाल, जिला पौड़ी गढ़वाल द्वारा चलाई जा रही जीप टैक्सी संख्या यू0ए0-05-2373 का चालान सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, कोटद्वार द्वारा दिनांक 01-06-2009 को अन्य अपराधों के अतिरिक्त कुल 07 के सापेक्ष कुल 12 व्यक्ति ले जाने के अपराध में किया गया है तथा दिनांक 02-08-2010 तक एलएमवी (टी) हिल के लिए वैध लाईसैंस संख्या 65/कोटद्वार के विरुद्ध कार्यवाही किये जाने की संस्तुति की है। पत्र संख्या मेमो/लाईसैंस-निलम्बन-निरस्तीकरण/09, दिनांक 11-06-2009 स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने हेतु चालक को भेजा गया चालक ने दिनांक 16-06-2009 को उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत किया, जो संतोषजनक नहीं पाया गया।

ओवरलोडिंग के कारण होने वाली दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने तथा जन सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लाईसैंस अधिकारी के रूप में, मैं, करम सिंह, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, कोटद्वार : मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 22 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त लाईसैंस संख्या 65/कोटद्वार को दिनांक 16-06-2009 से 15-07-2009 (एक माह) तक निलम्बित करता हूँ।

करम सिंह,
सहा0 सम्भागीय परिवहन अधिकारी,
कोटद्वार।